पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

कहारी अ

गाँव - कहारी अ

पंचायत - कहारी

तहसील - दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

गाँव का इतिहास

गाँव के बुजुर्गो के अनुसार करीब 300 साल पूर्व बर्तन बनाने वाले कुछ लोग आये थे जो एक खेत में कुछ साल रहे थे, उन्ही के नाम पर इस गाँव का नाम कहारी पड़ा है । फिर वे यहाँ से चले गये और आदिवासी समाज के लोग यहाँ आकर रहने लगे । यहाँ एक पुराना शिव मंदिर है जिसके सामने एक पानी का कुंड़ है उस कुण्ड में पुरे साल पानी रहता है और उसमे बड़ी बड़ी मछलियां है, जिन्हें कोई परेशान या मारता नहीं है । इस मंदिर और कुण्ड के इतिहास के पीछे किवदंती है कि पश्चिम से कोई बड़ा ज्ञानी शिव भक्त बाबा यहाँ आये थे, जिनके पैरों का निशान आज भी कुण्ड के पत्थरों पर है उन्होंने अपनी प्यास बुझाने के लिए यह कुण्ड बनाया था । उस बाबा ने अपना दूसरा पैर हड़का का नाला में रखा जहाँ उन्होंने अपने घुटने की चोट मार कर पानी निकाला था वहां भी साल भर पानी रहता है । कुछ समय रहने के बाद वह यहाँ से पालमांडव गाँव की ओर चले गये ।

कहारी अ गाँव का परिचय

कहारी अ गाँव कहारी ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है । कहारी पंचायत में चार राजस्व गाँव है - कहारी अ, कहारी ब, थैयाता और डोलवर निचली । जो कि जिला मुख्यालय डूंगरपुर से 25 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में बसा हुआ है। कहारी अ गाँव के सबसे नजदीकी गाँव कहारी ब, डोलवर निचली, डोलवर उपली, वलोता, थैयाता, डोजा, तलैया, हिराता है ।

कहारी अ का पुराना शिलालेख वर्ष 2000 में स्थापित हुआ जो अब टूट गया है इस कारण वर्ष 2015 में फिर से शिलालेख की स्थापना की गयी और गाँव सभा का गठन कुछ दिन के बाद कर दिया गया । कहारी अ में 300 से अधिक घर है जिनकी आबादी लगभग 1800 है । कहारी अ में एस.टी. और एस.सी. जाति के लोग रहते है - एस.टी. जाति में रोत, कटारा और अहारी उपजाति के लोगों के घर है और एस.सी. में कवि और यादव समाज के लोग रहते है । कहारी अ गाँव में 60 प्रतिशत आबादी को पेसा कानून और उसकी शक्तियों की जानकारी है । हर माह एक निश्चित तारीख को शिलालेख वाले स्थान या प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में गाँव सभा की बैठक की जाती है ।

गाँव की पूरी जमीन 358.2 हेक्ट. है जिसमें कृषि योग्य जमीन 893 बीघा तथा बेनामी जमीन 736 बीघा है तथा चरागाह की जमीन 273 बीघा है और कुल रकबा जमीन में ही जंगल की जमीन भी शामिल है । प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों के नाम पर गाँव में 3 बड़े नाले, 1 बड़ा पानी का कुण्ड, 1 सामुदायिक भवन, 20 कुआँ, 20 हैंडपंप, 3 प्राथमिक स्कूल, 1 उच्च माध्यमिक स्कूल, 2 आंगनवाडी, 4 एनिकट, 1 चौराहा, 1 शमशान घाट और 4 मंदिर है । कहारी अ गाँव में ही राशन की दुकान, पंचायत भवन, अटल सेवा केंद्र, मिनी बैंक, कृषि भवन, पटवार मंडल, पोस्ट ऑफिस और उप-स्वास्थ्य केंद्र भी है । गाँव के 10 लोग अलग-अलग सरकारी विभागों में कार्यरत है ।

यातायात और आवागमन

कहारी अ गाँव जाने के लिए डूंगरपुर बस स्टैंड से बांसवाडा जाने वाली रोडवेज बस से डोजा मोड़ उतरना पड़ता है और वहाँ से ऑटो या जीप की मदद गाँव में जा सकते है इसके अलावा एक रास्ता वलोता पंचायत से भी आता है । गाँव में 3 पक्की सड़के है जिसमे से 2 टूटी हुई है मात्र एक पक्की रोड़ जो कि वलोता की ओर निकलती है वही रोड सही है लेकिन यह कुछ जगह से अधूरी है । गाँव की जमीन ऊची-नीची और पहाड़ी है जिस कारण रोड़ बनाने में समस्या आती है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए 2 सी.सी. सड़क और 2 कच्ची सड़क है। गाँव के मुख्य सड़क से ऑटो, जीप दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है। गाँव के फलों में ग्रामीण अपने नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल का उपयोंग करते है या फिर पैदल जाया जाता है। क्योंकि गाँव के फलों के पगडण्ड़िया काफी सकरी और धूल भरी है जिससे आने जाने में समस्या होती है ।

शिक्षा व स्वास्थय

गाँव में 3 प्राथमिक विद्यालय है। जहाँ 150 बच्चे पढ़ते है और शिक्षक मात्र 6 है । हर प्राथमिक विद्यालय में 2 अध्यापक है । प्राथमिक स्कूलों की छत और फर्श टूट चुकी है, जिस कारण न तो बच्चे ढंग से पढाई कर पाते है न ही कक्षा-कक्ष में बैठ पाते है । इन्हें जमीन पर ही बैठना पड़ता है क्योंकि दरी की व्यवस्था नहीं है । प्राथमिक स्कूलों में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, शिक्षकों की कमी है, पीने के पानी के लिए लगा हैंडपंप भी ख़राब है । उच्च शिक्षा के लिए गाँव में 1 उच्च माध्यमिक विद्यालय है किन्तु उसमे भी अध्यापकों की कमी है शौचालय अलग-अलग बने है लेकिन उनमे पानी की टंकी नहीं है, सफाई के अभाव में बहुत गंदे हो गये है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है स्कूल की बाउन्ड्री टूटी हुई है । स्नातक स्तर की शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में जाना पड़ता है, अधिकतर बच्चे डूंगरपुर में छात्रावास में या किराये पर कमरा लेकर रह रहे है ।

गाँव में 1 उपस्वास्थ्य केन्द्र है, जहाँ ए.एन.एम. दवा दे देती है, सरकारी हॉस्पीटल दामडी गाँव में है और पशु अस्पताल 6 किमी दूर आंतरी में है । मरीजो को अस्पताल ले जाने के लिए टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 25 किमी दूर डूंगरपुर में है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव में सरकारी सुविधायें जैसे बिजली, शिक्षा, मनरेगा, आंगनवाडी, सरकारी आवास योजना, पेंशन इत्यादि उपलब्ध है। गाँव के अधिकतर घरों में बिजली है। गाँव में आवास योजना से लाभान्वित परिवारों की संख्या 120 है जिसमे 50 प्रधानमंत्री आवास और 70 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में कुल 40 लोगो को पेंशन मिलती है । वृद्धापेंशन 7 महिलाओं तथा 5 पुरूषों और 13 महिलाओं को विधवा पेंशन और 15 महिलाओं को एकलनारी पेंशन मिलती है। गाँव में अभी श्रमिक कार्ड नहीं बने है ।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कुल 358.2 हेक्ट जमीन में से कृषि योग्य जमीन 893 बीघा है, जिसमें मुख्य फसल - मक्का, उडद, मूंग, चना, गेहूँ, धान की खेती की जाती है । अधिकतर खेती की जमीन उबड़-खाबड़ और पहाड़ी है जिस कारण गेहूँ और धान की फसल कम होती है । जिनके पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है वे किसान गेहूँ, धान और गन्ना भी उगाते है । बारिश के बाद गाँव में तेजी से जल स्तर नीचे चला जाता है कुओं, नालों और एनिकट में पानी अप्रैल-मई महीने तक ही पानी रहता है । खेती से चार या पांच माह खाने भर का अनाज होता है उसके बाद सरकारी राशन की दुकान या बनिये से खरीदना पड़ता है। रोजगार के नाम पर गाँव में मनरेगा योजना चलती है । अधिकतर लोग कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है,जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है।

सिंचाई की व्यवस्था एवं स्थिति

खेतों में सिंचाई के लिए 3 बड़े नाले है (गूजरवाला नाका, पानिदरा नाका, वाडियावेला) । 1 बड़ा कुण्ड है जिसमे पूरे साल पानी रहता है । 20 कुएं है जिसमे से 12 सूखे है 8 कुओं को अभी गहरा किया गया है जिस कारण उनमे पानी मिल जाता है । तीनो नालों के रास्तों में पानी को रोकने के लिए चार एनिकट है लेकिन एनिकट जर्जर हो गये है इस कारण उनमे पानी नहीं टिक पाता है । बोरवेल की सुविधा है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है ।

पशुपालन

गाँव में लोग गाय, बैल, बकरी, मुर्गीपालन, और भैस पालते है जिनसे उनके दूध और खाने के लिए मांस की जरुरत पूरी हो जाती है । इसके अलावा ये बकरे को डूंगरपुर में लाकर बेचते भी है जिससे भी आय हो जाती है । गाँव की चारागाह जमीन पर वन विभाग का कब्ज़ा है । पशुओं के लिए चारा पानी की कमी से इतना नही हो पाता है जिससे पूरे वर्ष जानवरों को चारा खिलाने का काम चल सके, मार्च के बाद चारे और भूसे का ट्रक खरीदना पड़ता है जो 15000 से 18000 रुपए कीमत में पड़ जाता है जिसे 4-5 लोग मिल कर खरीदते है ।

गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधन

गाँव में जंगल की जमीन 255 बीघा है । जिस पर वन विभाग और गाँव का सामूहिक कब्ज़ा है । गाँव के जंगल में अभी भी सागवान और आम के पेड़ है । लेकिन कुछ भाग में केवल बबूल के पेड़ ही है । सागवान के पेड़ की कटाई पर वन विभाग ने रोक लगा दी है लेकिन आम, महुआ, आवला, चारा जैसे लघुवन उपजों पर कोई रोक नहीं है । किन्तु बेच कर आय हो पाए यह इतना प्रचुर मात्रा में नहीं है ।

गाँव की बिलानाम जमीन पर सरकार का कब्ज़ा है । इस पर अभी सामूहिक दावा प्रस्तुत नहीं किया गया है । गाँव में बड़े पहाड़ है, जिस पर गाँव का कब्ज़ा है लेकिन इनमे किसी भी प्रकार के खनिज की जानकारी नहीं है ।

आवागमन की समस्या

गाँव में 3 पक्की सड़के है जिसमे से 2 टूटी हुई है मात्र एक पक्की रोड़ जो कि वलोता की ओर निकलती है वही रोड सही है लेकिन यह कुछ जगह से अधूरी है । गाँव की जमीन ऊची-नीची और पहाड़ी है जिस कारण रोड़ बनाने में समस्या आती है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए 2 सी.सी. सड़क और 2 कच्ची सड़क है। लेकिन वह भी काफी ज्यादा टूट गयी है। खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है। गाँव के फलों में ग्रामीण अपने नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल का उपयाग करते है या फिर पैदल जाया जाता है। क्योंकि गाँव के फलों के पगडण्ड़िया काफी सकरी है जिससे आने जाने में समस्या होती है । प्राइवेट या सरकारी बस पकड़ने के लिए गाँव से बाहर 5 किमी जाना पड़ता है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में ज्यादातर लोगों के पास अपनी कब्जे की जमीन के पट्टे नहीं है और जिनके पास है वो भी न्यूनतम दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है । सरकार की नीतियों के कारण लोगों को जमीन हाथ से जाने का भय है । ज्यादातर खेत उबड़-खाबड़ है जिन्हें समतलीकरण की आवश्यकता है और असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश के पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । गाँव में 3 नाले है लेकिन सभी अप्रैल - मई तक सूख जाते है । इन नालों पर बारिश के पानी को रोकने के लिये 4 एनिकट बने है जो बहुत पुराने हो चुके है वे जर्जर हालत में है । गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। गाँव में पानी का स्तर 200 फुट से नीचे है। गाँव में 20 कुएं है, जिसमे से 10 तो सूखे ही रहते है बाकि के 10 कुएं अभी हाल में गहरे किये गये है जिनमें सालभर पानी मिल जाता है। गाँव में 20 हैण्डपम्प है, जिसमे से 4 बंद है । गाँव में एक कुण्ड है, जिसमे पूरे साल पानी रहता है उसका पानी पशु और नहाने-कपडे धोने के काम में लेते है । सभी हैण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। एनिकट मरम्मत और उसकी ऊंचाई बढ़ाने के बारे में हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। गाँव में खेती की जमीन और चरागाह की जमीन पर चारा होता है जो साल भर नहीं चल पाता है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात

रूपये में खरीदते है या फिर 4-5 परिवार वाले मिल कर 15000 से 18000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते है । गाँव में दूध और कृषि के उपयोग में लेने के लिए उन्नत किस्म के पशु नहीं है । चारे के अभाव में दुधारू पशु भी ज्यादा दूध नहीं देते है केवल घरभर का काम निकल जाता है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में 300 घर है, पढने वाले बच्चों के लिए 3 प्राथमिक विद्यालय है, प्राथमिक स्कूल में अभी 150 बच्चे पढ़ते है लेकिन हर विद्यालय में शिक्षक सिर्फ 2 ही है । प्राथमिक स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, पीने के पानी के लिए हैंडपंप भी ख़राब है, अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही है । इन सभी समस्याओं कों लेकर वे गाँव सभा में भी प्रस्ताव लिखकर अधिकारियों और पंचायत में जमा करा चुके है । गाँव में 1 उ. मा. विद्यालय है जिसमे कुल बच्चों की तुलना में अध्यापक कम है , अभी वर्तमान में 10 शिक्षकों की नियुक्ति है । यहाँ भी शौचालयों में पानी का प्रबन्ध नहीं है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है जिस कारण बच्चे फ्लोराइड युक्त पानी पीते है । स्नातक स्तर की शिक्षा के लिये 25 किमी दूर डूंगरपुर शहर में जाना पड़ता है, अधिकतर बच्चे यही पर किराये का कमरा लेकर रहते है ।

गाँव में 2 आंगनवाड़ी है एक नई बनी है जिसे अभी शुरू नहीं किया गया है दूसरी आँगनवाड़ी अच्छी हालत में है लेकिन पोषाहार कों लेकर लोगो को समस्या है वहाँ पोषाहार अच्छा नहीं दिया जाता है । इसलिए उसमें लोग अपने बच्चों को कम भेजते है गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से दूर दामडी में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 25 किमी दूर डूंगरपुर में है। पशुओ के इलाज के लिए पशु अस्पताल आंतरी में 6 किमी दूर है ।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

कहारी अ में मुख्य फसल बारिश के मौसम में उगायी जाती है क्योंकि बारिश के बाद गर्मी के मौसम में सिंचाई के पानी की कमी हो जाती है। हालाँकि वहाँ पर 4 एनिकट, 3 नाले, 1 कुण्ड, 20 कुऐ, बोरवेल है, लेकिन मात्र एक कुण्ड कों छोड़कर सभी जल स्रोतों में पानी ख़त्म हो जाता है । चूँकि गर्मी में जल स्तर नीचे चला जाता है और पानी की कमी हो जाती है इस कारण ग्रीष्म ऋतु में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 200 फुट नीचे चला गया है। यदि अभी वर्तमान में जमीनी जलस्तर 200 फुट गहराई में चला गया है और ग्रीष्म ऋतु में पानी ख़त्म हो जाता है तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। इसके साथ ही गाँव में खेती और पीने के पानी के लिए बड़ा संकट उत्पन्न हो जायेगा । वर्तमान में जो पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो भविष्य में गाँव खाली करने या दूसरी जगह पर विस्थापित होने की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है ।

गाँव में खेती से होने वाला अनाज केवल 5 या 6 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दुकान गाँव में ही है । राशन की दुकान पर केवल गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन या तो खेती है अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। गाँव में नरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। गाँव के पढ़े - लिखे युवा लोग काम करने के लिए शहरों में आते है । कुछ लोग अच्छी जीविका की तलाश और अच्छी सुविधाओं के लिए दूसरे जिलों में भी पलायन कर गये है

अन्य

1 श्मशान घाट है लेकिन टीन, छाया, पानी, रोड की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है । 1 सामुदायिक भवन है जो की खंडहर हो गया है अब वहाँ कोई बैठक या कार्यक्रम नहीं किया जाता है । गाँव में योजना के तहत बने शौचालय आधे-अधूरे है पानी की कमी के चलते उपयोग नहीं हो पा रहा है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला एनिकट कुण्ड कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 3 बरसाती नाले है। जो बारिश के बाद मई तक चलते है मई के बाद सूख जाते है । इन पर 4 एनीकट बने हुए है जो अच्छी हालत में नहीं है । उनकी दरारों से पानी रिस कर निकल जाता है । गाँव में 20 कुएं, 20 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में मात्र 1 कुण्ड तलावडी है जिसका पानी पशुओ के पीने और नहाने-धोने के काम आता है, इसमें साल भर पानी रहता है । गर्मी समाप्त होने से पहले ही सभी जल-स्रोतों	गाँव वासियों के अनुसार यदि चारों एनिकटो की मरम्मत और ऊंचाई बढाई जाये तो पानी पूरे साल रुक सकता है और सिचाई भी पूरी हो सकती है । नालों की पक्की रिन्ग्वाल बनाई जाये, उसे पक्का बनाने से जमीन का कटाव नहीं होगा । नाले के रास्ते पर छोटे छोटे चेकडेम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का तो जलस्तर ऊंचा होगा ही एनिकट में भी पानी अधिक समय तक रुक जाएगा। और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। फ्लोराइड मुक्त पानी के लिए आर.ओ.

	में पानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी और सिंचाई की समस्या हो जाती है।	प्लांट लगना चाहिए ।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह पहाड़	गाँव में जमीन समतल नहीं है, अधिकतर छोटी पहाडी, उबड़-खाबड़ और पथरीली ढलान वाली जमीन है। गाँव में बिलानाम जमीन पर सरकार का कब्ज़ा है । गाँव में चारागाह भूमि है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। समतल भूमि ही सिंचित है बाकी जमीनें असिंचित है। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है। पहाड़ बड़े है लेकिन उनमे किसी भी प्रकार के खनिज मिलने की कोई जानकारी नहीं है । अभी पहाड़ पर जंगल है । जिसके उत्पादों को गाँव के लोग काम में लेते है । सामुदायिक दावा फाइल लगाई है लेकिन पट्टा नहीं मिल पाया है ।	गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों को अपना खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की बेकार पड़ी जमीन को उन्नत कृषि तकनीकी के माध्यम से उपजाऊ बनाया जा सकता है । जिस पर किसी प्रकार की खेती या उपज नहीं होती है, को गाँवसभा के अधीन करके खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में केवल एक पक्की सड़क ही अच्छी हालत में बाकी दोनों पक्की और सी.सी., कच्ची सड़के टूट गयी है इनसे मिटटी और कंकड़ उड़ते है इसके अलावा कुछ सड़कों को अधूरा छोड़ दिया गया है जिस कारण धूल उडती है और सड़क किनारे रहने वाले लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ।	गाँव की अधूरी सड़क को सही किया जाये । पक्की सड़कों की मरम्मत की जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़कों को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही पक्की सड़कों के किनारों पर रोड लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए ।
स्कूल	गाँव में 3 प्राथमिक और 1 उच्च माध्यमिक स्कूल है सभी की की छत से बारिश में पानी टपकता है और फर्श भी टूट रही है। खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है । छात्रों की	प्राइमरी स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। फर्श, शौचालय की भी मरम्मत करवाना । खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । अध्यापक नियुक्ति

	तुलना में अध्यापक भी कम है । दी जाने वाली शिक्षा की स्थिति काफी ख़राब दर्जे की है ।	के लिए शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखना और अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद करना यह कार्य गाँव सभा के माध्यम से करना है ।
उज्ज्वला गैस कनेक्शन	गाँव में 40 प्रतिशत लोगो को उज्ज्वला गैस योजना का लाभ नहीं मिल पाया है । जिन्हें मिल गया उनका मिटटी का तेल बंद कर दिया गया है लेकिन साथ ही उन परिवारों का भी मिटटी का तेल बंद कर दिया गया है जिन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिला है ।	योजना को सही से लागू किया जाये और मिटटी का तेल पुनः शुरू किया जाये ।
बिजली	गाँव में 100 घरों में बिजली की सुविधा नहीं है । जिन लोगो को यह सुविधा मिली है वे भी बिल के बहुत ज्यादा आने से परेशान है ।	सही से मीटर की रीडिंग लेने के लिए कर्मचारी को पाबंद करना ।
शमशान घाट	1 श्मशान घाट है लेकिन टीन, छाया, पानी, रोड की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है ।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और एक बैठक के लिए भवन बनवाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में केवल 3 प्राथमिक स्कूल और 1 उच्च मा. स्कूल है, 150 छात्रों पर 6 अध्यापक है । और उच्च मा. स्कूल में 10 अध्यापक ही है । वो अध्यापक भी समय पर नहीं आते है । स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है साथ ही फर्श भी टूट रही	गाँव के स्कूलों में सभी व्यवस्था पूरी दी जाये और अच्छी दी जाये । सभी विषयों के अध्यापकों की नियुक्ति हो और समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये ।	तात्कालिक

			है । स्कूल का खेल मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है ।		
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 20 कुएं और 20 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । गाँव का जलस्तर 200 फिट से नीचे चला गया है।	जो हैंडपंप और कुएं बंद हो गये है या जिनमे पानी कम आने लगा है उन्हें गहरा करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में एनिकट मरम्मत करना और बांध की ऊंचाई बढ़ाना और चेकडैम निर्माण करना और गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।	**दीर्घकालिक**
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए 3 बरसाती नाले है जिन पर बारिश का पानी गाँव में रोकने के लिए 4 जर्जर एनिकट है ।नालों में पानी अप्रैल मई तक समाप्त हो जाता है । पशुओ के पानी के लिए 1 कुण्ड है जिसमे बारह महीने पानी रहता है । सभी जल-स्रोतों में गर्मी के मौसम में पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण करवाना । बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण करना । घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना । एनिकट की मरम्मत करके उसकी ऊंचाई को बढ़ाना उपयोगी सिद्ध हो सकता है ।	**तात्कालिक**

4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पक्की सड़कों, सी.सी. सड़के और कच्ची तेज बारिश होने के कारण काफी ख़राब हो गयी है जिसके कारण हादसों की संभावना बनी रहती है । अंदरूनी रास्ते भी कच्चे है ।	गाँवसभा कमेटियों के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटे हुए रास्तों को फिर से ठीक करना और कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या और शौचालय का न बनाना ।**	**व्यक्तिगत**	गाँव में अभी भी कुछ परिवार वालों को आवास योजना का लाभ नहीं मिला है । इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है। गाँव में जिन लोगों को आवास की बेहद जरूरत है उनके आवास गरीबी के कारण नहीं बने हैं पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है। और समय पर जीवित प्रमाणपत्र ना प्रस्तुत करना भी एक कारण है ।	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	लोग कई पीढ़ियों से गाँव में बसे हैं लेकिन जितनी भूमि पर वह काबिज है उसकी खातेरदारी का हक उनको नहीं मिला है।	काबिज भूमि पर सामूहिक दावा करना। पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में	**दीर्घकालिक**

	और बिलानाम जमीन पर सरकार का कब्ज़ा होना ।		पिछले कुछ सालो से इसे सरकार के द्वारा बंद कर दिया गया है । जिसके कारण भविष्य में उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।	जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और धारा 91 के अनुसार काबीज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	कच्चे रास्ते को आर.सी.सी. नहीं करना। टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क को सही नहीं करवाना। गाँव में बस स्टैंड की मांग नहीं करना ।	रास्ते ठीक होने से गाँव में साधन आ जा सकते हैं लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी । बीमारी की हालत में मरीज को जल्दी चिकित्सा सुविधा मिल सकती है ।	इस समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना, साथ ही वे इसको सरकार पर छोड़ रहे है ।
जल नाला कुण्ड एनिकट कुआं बोरवेल हैंड पंप	गाँव में 3 बरसाती नाले है जिनपर 4 एनिकट भी बने है लेकिन चारों एनिकट जर्जर व कमजोर है । 20 कुएं और 20 हैंडपंप है लेकिन गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । एनिकट मरम्मत के लिए गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी । सरकारी	कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण, पानी को रोकने के लिए घरों में पक्की टंकी का निर्माण करवाना । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से रोका जाए जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने के लिए कोई पहल नहीं करना और योजना होते हुए भी ना क्रियान्वित करना । गाँव के लोगों की उदासीनता । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।

	योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।	का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये ।	
आजीविका के साधन	गाँव में खेती और मनरेगा के अलावा और किसी रोजगार के साधन का अभाव । कृषि उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं का अभाव।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, अच्छी नस्ल के पशुओं का सरकार के द्वारा उपलब्ध करवाना । लघुगृह उद्योग, सब्जी की खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती कीजमीन का अभाव। उन्नतशील बीज और बेहतर किस्म के पशुओ का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	सभी लोगों के पास कब्जे की जमीन के पट्टे ना होना । खेती की पर्याप्त जमीन नहीं होना।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **गाँव सभा द्वारा तैयार गाँव का नजरिया नक्शा-**

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	8
विधवा पेंशन	7
विकलांग पेंशन	7
पालनहार (0-5 वर्ष = 1) (6-18 वर्ष = 13)	14
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	103
स्कूलों के सम्बंध में	रा. उ.मा. वि.
अध्यापकों की नियुक्ति	+

कमरों का निर्माण शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था शौचालय में पानी की व्यवस्था परकोटा निर्माण नया बालिका छात्रावास निर्माण	रा.प्रा.वि. कोकादरा
नयी आंगनवाड़ी के सम्बन्ध में	3
सामुदायिक भवन निर्माण के संबंध में	3
वार्ड नं. 13 में नया पशु हॉस्पिटल के सम्बन्ध में	1
राशन की दुकान खोलने के सम्बन्ध में	1
तालाब गहरीकरण और रिन्ग्वाल	6 तालाब
वृक्षारोपण के सम्बन्ध में	19
घाटियाफला आंगनवाड़ी मरम्मत और परकोटा के सम्बन्ध में	1
रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में पक्की सड़क सी.सी. सड़क कच्ची सड़क	 1 4 7
हैंडपंप के सम्बन्ध में नए हैंडपंप पुराने हैंडपंप	 24 4
नया एनिकट निर्माण के सम्बन्ध में पुराना एनिकट के मरम्मत के सम्बन्ध में	7 1
कच्चा चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में	20
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> पशुवाडा निर्माण, खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल, कुआं गहरीकरण मरम्मत	279
आर.ओ. प्लांट के सम्बन्ध में	3
श्मशान घाट निर्माण के सम्बन्ध में	1
घाट निर्माण के सम्बन्ध में	4
सामाजिक विवाद निपटारा के सम्बन्ध में	
सामाजिक कुरीतियों पर रोक के सम्बन्ध में	
सामुदायिक वन दावा करने के सम्बन्ध में	
सार्वजानिक कुआँ निर्माण	

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

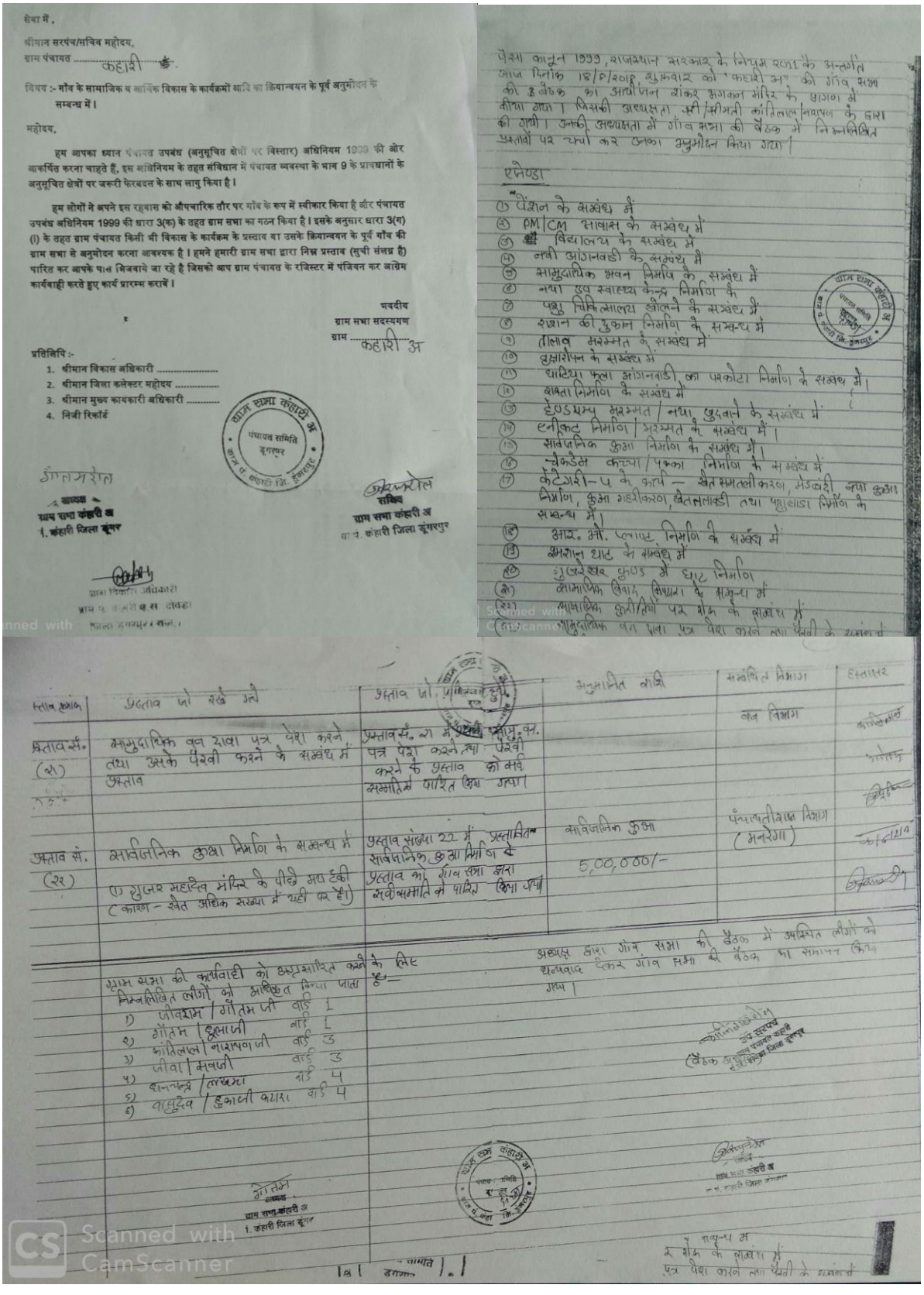

सेवा में,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत ....कहारी........

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग)(I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर आग्रेम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम ....कहारी अ

प्रतिलिपि :-

1. श्रीमान विकास अधिकारी ....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय ....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ....
4. निजी रिकॉर्ड

ग्राम सभा कंहारी अ / पंचायत समिति डूंगरपुर

गौतमरोत
अध्यक्ष
ग्राम सभा कंहारी अ
ग्रा.पं. कंहारी जिला डूंगर

कांतिलाल
सचिव
ग्राम सभा कंहारी अ
ग्रा.पं. कंहारी जिला डूंगरपुर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पं. कंहारी प.स. दोवडा
जिला डूंगरपुर (राज.)

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 18/8/2018, शुक्रवार को "कहारी अ" की गाँव सभा की बैठक का आयोजन शंकर भगवान मंदिर के प्रागण में कीया गया। जिसकी अध्यक्षता श्री/श्रीमती कांतिलाल/नारायण के द्वारा की गयी। उनकी अध्यक्षता में गाँव सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा कर उनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा

1. पेंशन के सम्बंध में
2. PM/CM आवास के सम्बंध में
3. विद्यालय के सम्बंध में
4. नयी आंगनवाडी के सम्बंध में
5. सामुदायिक भवन निर्माण के सम्बंध में
6. नया उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण के
7. पशु चिकित्सालय खोलने के सम्बंध में
8. राशन की दुकान निर्माण के सम्बन्ध में
9. तालाब मरम्मत के सम्बंध में
10. वृक्षारोपन के सम्बंध में
11. घाटिया फला आंगनवाडी का परकोटा निर्माण के सम्बंध में।
12. रास्ता निर्माण के सम्बंध में
13. हेण्डपम्प मरम्मत/नया खुदवाने के सम्बंध में
14. एनीकट निर्माण/मरम्मत के सम्बंध में।
15. सार्वजनिक कुआ निर्माण के सम्बंध में।
16. चेकडेम कच्चा/पक्का निर्माण के सम्बंध में
17. केटेगरी-4 के कार्य - खेत समतलीकरण, मेडबंदी, नया कुआ निर्माण, कुआ गहरीकरण, खेततलावडी तथा पशुवाडा निर्माण के सम्बन्ध में।
18. आर. ओ. प्लान्ट निर्माण के सम्बंध में
19. श्मशान घाट के सम्बंध में
20. गुजरेश्वर कुण्ड में घाट निर्माण
21. सामाजिक विवाद निपटारा के सम्बन्ध में
22. सामाजिक कुरीतियों पर रोक के सम्बंध में
23. सामुदायिक वन दावा पत्र पेश करने तथा पैरवी के सम्बन्ध में

प्रस्ताव क्रमांक	प्रस्ताव जो रखे गये	प्रस्ताव जो पारित हुवे	अनुमानित राशि	सम्बंधित विभाग	हस्ताक्षर
प्रस्ताव सं. (21)	सामुदायिक वन दावा पत्र पेश करने तथा उसके पैरवी करने के सम्बंध में प्रस्ताव	प्रस्ताव सं. 21 में सामु. व. पत्र पेश करने तथा पैरवी करने के प्रस्ताव को सर्व सम्मति से पारित किया गया।		वन विभाग	कान्तिलाल, गौतम, [illegible]
प्रस्ताव सं. (22)	सार्वजनिक कुआ निर्माण के सम्बन्ध में (1) गुजर महादेव मंदिर के पीछे मय टंकी (कारण - खेत अधिक संख्या में यहीं पर है)	प्रस्ताव संख्या 22 में प्रस्तावित सार्वजनिक कुआ निर्माण के प्रस्ताव को गाँव सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया	सार्वजनिक कुआ 5,00,000/-	पंचायतीराज विभाग (मनरेगा)	कान्तिलाल, [illegible]

ग्राम सभा की कार्यवाही को अग्रसारित करने के लिए निम्नलिखित लोगों को अधिकृत किया जाता है—

1. जीवराम/गौतम जी वार्ड 1
2. गौतम/धूलाजी वार्ड 1
3. कांतिलाल/नारायणजी वार्ड 3
4. जीवा/मवजी वार्ड 3
5. धनचन्द्र/लखमा वार्ड 4
6. वासुदेव/हुकाजी कटारा वार्ड 4

अध्यक्ष द्वारा गाँव सभा की बैठक में उपस्थित लोगों को धन्यवाद देकर गाँव सभा की बैठक का समापन किया गया।

कांतिलाल रोत
उप सरपंच
ग्राम पंचायत कहारी
(बैठक अध्यक्ष) पं.स. डूंगरपुर जिला डूंगरपुर

गौतम
अध्यक्ष
ग्राम सभा कंहारी अ
ग्रा.पं. कंहारी जिला डूंगर

कांतिलाल रोत
सचिव
ग्राम सभा कंहारी अ
ग्रा.पं. कंहारी जिला डूंगरपुर

Scanned with CamScanner

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. जीवराज रोत	7726082060
2. सोहन रोत	8003340247
3. संजय रोत	8107027971
4. कांतिलाल रोत	9571158024
5. मोहनलाल रोत	7600424489
6. मुकेश रोत	8107135972
7. भेमजी	8511748405